

ऐलान: यूपी के एक करोड़ श्रमिक परिवारों को आयुष्मान से मुफ्त इलाज हर श्रमिक परिवार को स्वास्थ्य सुरक्षा : योगी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को 'श्रमवीर गौरव समारोह 2026' में ऐलान किया कि प्रदेश के हर श्रमिक परिवार को आयुष्मान योजना का लाभ दिया जाएगा। इससे एक करोड़ श्रमिक परिवारों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। वहीं योगी ने वेज बोर्ड की सिफारिशों को जल्द लागू करने और ग्रेटर नोएडा व गोरखपुर में ईएसआईसी अस्पताल की घोषणा की। साथ ही हर औद्योगिक क्षेत्र में ईएसआईसी के अस्पताल खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार श्रमिकों के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 'श्रमवीर गौरव समारोह 2026' में कहा कि प्रदेश का विकास तभी सार्थक है, जब श्रमिक वर्ग सशक्त और सुरक्षित हो। योगी ने इस मौके पर श्रमिकों से जुड़ी तमाम घोषणाएं भी कीं। **15.83 लाख श्रमिकों को लाभ:** मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 12 लाख 26 हजार निर्माण श्रमिकों को आयुष्मान कार्ड सुविधा मिल चुकी है, जिससे उनके परिवारों को प्रति वर्ष पांच लाख तक का निःशुल्क इलाज मिल रहा है। बाकी 15 लाख 83 हजार श्रमिकों को भी जल्द इस योजना से जोड़ने का लक्ष्य है। इस पहल से 75 से 80 लाख लोगों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलेगा। सरकार का लक्ष्य प्रदेश में एक करोड़ श्रमिक परिवारों, यानी पांच करोड़ तक लाभ पहुंचाना है।



लखनऊ में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिकों को सम्मानित किया।

‘काम के बदले दाम न देने वालों पर होगी सख्ती’

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों को 'वन नेशन-वन राशनकार्ड' की सुविधा दी गई है यानी सीतापुर का श्रमिक मुंबई में भी राशन ले सकता है। श्रमयोगी मानधन में सात लाख से अधिक को पेंशन दी गई है। अटल पेंशन में यूपी से 93 लाख लाभार्थी जुड़े हैं। ई-श्रम पोर्टल पर सबसे अधिक पंजीकरण यूपी के हैं। निर्माण के दौरान दुर्घटना पर श्रमिकों के परिवार को पांच लाख, दिव्यांगता पर दो लाख तक सहायता सरकार ने गारंटी के रूप में दी है। पहले काम के बाद ठेकेदार या मालिक मजदूरी देने से मना कर देते थे या कम देते थे। अब सरकार ने साफ कहा है कि काम किया है तो दाम भी मिलना चाहिए।

हर औद्योगिक क्षेत्र में ईएसआईसी अस्पताल : मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क में सात एकड़ भूमि आवंटित की है, जहां 300 बेड का ईएसआईसी अस्पताल बनेगा। यह श्रमिकों के लिए समर्पित होगा। गीडा में पांच एकड़ चिन्हित हुई है, जहां ईएसआईसी अस्पताल बनेगा। श्रम विभाग

को निर्देश दिया है कि जहां औद्योगिक क्षेत्र हों, वहां ईएसआईसी अस्पताल बनें। औद्योगिक विकास विभाग की जिम्मेदारी होगी कि भूमि मुहैया कराए और ईएसआईसी के माध्यम से अस्पताल बनाया जाए। जहां अस्पताल नहीं बन पाए, वहां आयुष्मान भारत जैसी सुविधा दी जाए।

80 लाख के करीब लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ मिल सकेगा

93 लाख के करीब श्रमिक लाभार्थी यूपी में पेंशन योजना से जुड़े हैं

वेज बोर्ड की सिफारिशों पर देंगे आकर्षक पैकेज

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने आवास विभाग और औद्योगिक विकास विभाग दोनों को नीतियों में बदलाव के निर्देश दिए हैं। जहां उद्योग हैं, वहीं श्रमिकों के लिए आवासीय सुविधाएं दी जाएं। एफएआर में छूट दें, ताकि श्रमिक डॉरमेट्री, अच्छी और सस्ती कैंटीन बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आश्वस्त करता हूँ कि वेज बोर्ड की सिफारिशें जैसे ही आएंगी, तुरंत बाद औद्योगिक विकास विभाग और श्रम एवं सेवायोजन विभाग की बैठकें शुरू हो जाएंगी। हम इतना अच्छा पैकेज तैयार करेंगे कि हर श्रमिक सम्मान के साथ अपना जीवन यापन कर सके।

औद्योगिक अशांति में खंडहर के सिवाय कुछ नहीं बचता : मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग-श्रमिक एक-दूसरे के पूरक हैं। उद्योग है तो श्रमिक हैं। चेताया कि औद्योगिक अशांति स्थिति नहीं होने देनी है। जहां औद्योगिक अशांति है, वहां खंडहर के सिवाय कुछ नहीं बचता।

➤ लापरवाही बर्दाश्त नहीं P02